संपादकीय

ये तो एक पैटर्न है

सवाल अतिक्रमण का नहीं है। बल्कि यह आज की सरकार की विचारधारा के मुताबिक अपराध तय करने के पैटर्न से जुड़ा है। उसका सार यह है कि जो लोग इस सरकार की परिभाषा के मुताबिक हिंदुत्व की विचारधारा से नहीं जुड़े हैं, उनके अपराध और जो उसके समर्थक हैं, उनके अपराधों में फर्क है।

दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में जब लोगों के मकान और दुकानों पर एमसीडी के बुल्डोजर चलने लगे, तब सुप्रीम कोर्ट ने इस कार्रवाई को रोकने का आदेश दिया। लेकिन उससे कार्रवाई तुरंत नहीं रुकी। बुल्डोजरी कार्रवाई में जुटे अधिकारी यह कहते रहे कि उन्हें कोर्ट का आदेश नहीं मिला है। बहरहाल, अब मुद्दा यह है कि सर्वोच्च न्यायालय कैसा इंसाफ करेगा? तार्किक ढंग से होना तो यह चाहिए कि जिस समय आदेश जारी किया गया, उसके बाद जिन इमारतों को तोड़ा गया, उन्हें पहले दोबारा बनाने का आदेश दिया जाए। फिर देखा जाए कि उन मकानों को अतिक्रमण की जमीन पर बनाया गया था या नहीं। इसलिए कि ये सवाल अतिक्रमण का नहीं है। बल्कि यह आज की सरकार की विचारधारा के मुताबिक अपराध तय करने के पैटर्न से जुड़ा है। इस रूप में बुल्डोजर सिर्फ जहांगीरपुरी में नहीं चले हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसा नजारा देखने को मिलता रहा है। उनका सार यह है कि जो लोग इस सरकार की परिभाषा के मुताबिक हिंदुत्व की विचारधारा से नहीं जुड़े हैं, उनके अपराध और जो उसके समर्थक हैं, उनके अपराधों में फर्क है। फिर ये अपराध तय करने का मंच न्यायपालिका नहीं है। यह सरकार और उसके अधिकारी तय करते हैं। इस रूप में कानून के शासन के सिद्धांत को तिलांजलि दे दी गई है।

कानून के राज का सिद्धांत यह कहता है कि कानून सबके ऊपर है और कानून की नजर में सब बराबर हैं। इसमें धर्म, जाति, लिंग, नस्ल आदि जैसे किसी आधार पर फर्क नहीं किया जा सकता। लेकिन खरगौन से लेकर जहांगीरपुरी में जो हुआ, उसे क्या इस सिद्धांत पर खरा बताया जा सकता है? वहां 17 अप्रैल को हुई हिंसा के बारे में पुलिस ने बताया कि जिस हनुमान जयंती यात्रा के बाद हिंसा भड़की, उसे निकालने के लिए प्रशासन की अनुमति नहीं ली गई थी। कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इस यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में बंदूक जैसे हथियार भी थे, जिनका खुलेआम प्रदर्शन किया जा रहा था। सोशल मीडिया पर इन दृश्यों को दिखाने वाले कई वीडियो भी मौजूद हैं। मगर सख्त कार्रवाई सिर्फ इस जवाबी हिंसा करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों पर हुई है। आखिर ये पैटर्न देश को कहां ले जाएगा? क्या कानून के राज का भंग होना बहुसंख्यक हिंदू समुदाय के भी दीर्घकालिक हित में है, इस सवाल पर सोचने का वक्त अब आ गया है?

विदेशी पर्यटकों का फिर से भारत का रूख, उद्यमियों और व्यापारियों में उत्साह

नई दिल्ली । कोरोना काल में बुरी तरह प्रभावित पर्यटन क्षेत्र गत फरवरी में महामारी की तीसरी लहर के बाद इसका असर घटने के बाद विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) से फिर से सुधार की ओर बढ़ रहा है और इससे जुड़े उद्यमियों एवं व्यापारियों में उत्साह की लहर भी है।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में एफटीए बढक़र 2.40 लाख रहा जोकि इससे पिछले महीने 2.01 लाख था।

एफटीए में इजाफा स्थानीय टूर ऑपरेटरों और इससे जुड़े अन्य कारोबारियों के लिए बड़ी राहत है। दिसंबर 2021 में एफटीए 3.03 लाख पर पहुंच गया था लेकिन इससे अगले कोरोना संक्रमण के डर के कारण इसमें गिरावट दर्ज की गयी।

विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या अक्टूबर और नवंबर 2021 में क्रमश: 1.81 लाख और 2.51 लाख थी।

एसटीआईसी ट्रैवल ग्रुप के चेयरमैन और कन्फेडरेशन ऑफ टूरिज्म प्रोफेशनल्स के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और ई वीजा की शुरुआत के बाद भारत में आने वाले पर्यटन में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति बरकरार रहती है और कोविड के कारण कोई रूकावट पैदा नहीं होती है तो हम 1.10 करोड़ का लक्ष्य छू लेंगे , बल्कि उसे भी पार कर जाएंगे। वर्ष 2019 में भारत ने करीब 30 अरब डालर की विदेशी मुद्रा कमायी थी। हम, वर्ष 2022-23 में 35 अरब डालर की कमायी करने की उम्मीद करते हैं।

उन्होंने कहा कि हालांकि नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने और वीजा प्रतिबंधों में ढील के चलते आगामी महीनों में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है, सरकार घरेलू पर्यटन को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक पर्यटन क्षेत्र में पुनरुद्धार बड़े पैमाने पर घरेलू पर्यटन द्वारा किए जाने के तथ्य को स्वीकार करते हुए देखो अपना देश के विषय के तहत वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन कर घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

विश्व के टॉप-5 धनकुबेरों में गौतम अडानी की हुई एंट्री

नई दिल्ली । अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की फोर्ब्स की लिस्ट में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अडानी की कुल नेट वर्थ 123.1 बिलियन डॉलर आंकी गई है। उन्होंने ब्रेकशाइर हाथवे के वॉरेन बफेट को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया। अब बफेट 121.7 बिलियन डॉलर की कुल अनुमानित नेट वर्थ के साथ छठे स्थान पर खिसक गए हैं।

दुनिया के सबसे अमीर लोगों की फोर्ब्स की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी आठवें स्थान पर हैं। इस तरह दुनिया के 10 सबसे रईस लोगों में दो भारतीय हैं। अंबानी की कुल नेट वर्थ 103.70 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

ञ्जद्गह्यद्यड्ड और स्श्चड्डष्द्गङ्ग के प्रमुख एलन मस्क इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 269.70 बिलियन डॉलर आंकी गई है। जेफ बेजोस 170.2 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट और उनके परिवार की कुल संपत्ति 166.8 बिलियन डॉलर आंकी गई है और इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

दुनिया के सबसे रईस लोगों की फोर्ब्स की लिस्ट में बिल गेट्स चौथे स्थान पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 130.2 बिलियन डॉलर आंकी गई है। इस सूची में लैरी एलिसन सातवें स्थान पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 107.6 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

लैरी पेज की कुल संपत्ति 102.4 बिलियन डॉलर आंकी गई है और वह इस लिस्ट में नौवें स्थान पर हैं। वहीं, सर्गेई ब्रिन 98.5 बिलियन डॉलर की कुल नेटवर्थ के साथ 10वें स्थान पर हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 31.1 करोड़ डॉलर गिरकर 603.7 अरब डॉलर पर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में लगातार पांचवें सप्ताह गिरता हुआ 31.1 करोड़ डॉलर कम होकर 603.7 अरब डॉलर डॉलर पर आ गया। इसके पिछले सप्ताह यह 2.47 अरब डॉलर घटकर 604 अरब डॉलर और 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह रिकॉर्ड 11.17 अरब डॉलर कम होकर 606.48 अरब डॉलर पर रहा था। इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर गिरकर 617.65 अरब डॉलर पर रहा। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 87.7 करोड़ डॉलर घटकर 536.8 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि इस दौरान स्वर्ण भंडार में वृद्धि हुई और यह 62.6 करोड़ डॉलर बढक़र 43.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.7 अरब डॉलर पर आ गया।

ई-कॉमर्स कंपनियां कर रही है धारा 79 का गलत इस्तेमाल : कैट

नई दिल्ली । कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 की धारा 79 और उसके नियमों के स्पष्टीकरण की मांग की।

कैट ने एक बयान में कहा कि इस धारा के अस्पष्ट होने से अमेजोन, फ्लिपकार्ट, ओला, उबर, जोमाटो सहित ऑनलाइन दवाई बेचने वाली ई-कॉमर्स कम्पनियां सभी तरह का गलत सामान बेचती हैं और अपने पोर्टल पर बिक रहे सामान या दी जा रही सेवाओं पर कोई जिम्मेदारी न लेते हुए धारा 79 का गलत सहारा लेते हुए सुरक्षा लेकर किसी भी कानूनी कार्रवाई से बच जाती हैं।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा की आईटी ऐक्ट की धारा 79 में वो कम्पनियाँ जो विशुद्ध रूप माल अथवा सेवाएँ बेचने वाले या ख़रीदने वाले को मात्र ई कामर्स प्लेटफार्म ही उपलब्ध करती हैं और जिसमें उनका किसी भी प्रकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है, इन्हीं कंपनियों को धारा 79 के अंतर्गत किसी भी क़ानूनी करवाई से बचने की सुरक्षा प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि यह एक सर्वविदित तथ्य है की ये सभी कम्पनियां कभी भी अपने पोर्टल के जरिए बेचे गए सामान अथवा दी गई सेवाओं के लिए ज़िम्मेदारी नहीं लेती हैं और धारा 79 के अंतर्गत अपने को केवल बिचोलिया कह कर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं।

श्री भरतिया एवं श्री खंडेलवाल ने कहा की उपरोक्त सभी कंपनियां व्यापारिक मध्यस्थ के रूप में काम कर रही हैं, न कि डेटा / सूचना की मध्यस्थ और इसलिए आईटी अधिनियम की धारा 79 का लाभ इनको किसी भी सूरत में नहीं मिल सकता।

तीरंदाजी वर्ल्ड कप : भारतीय रिकर्व मिक्सड टीम ने जीता गोल्ड

अंताल्या । रिद्धि और तरुणदीप राय की रिकर्व मिक्सड टीम ने यहां तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान को समाप्त किया। भारत ने स्वर्ण पदक के इस करीबी मुकाबले में चौथे सेट के अंत में स्कोर 4-4 से बराबरी करने के बाद 18-17 शूट-ऑफ (निशाने में) में ब्रिटेन को हराया। रिद्दि और रॉय ने पहली बार एकसाथ किसी मुकाबले में भाग लिया।

जीत के बाद राय ने कहा, यह पहली बार है कि हम दोनों एक साथ खेला है, वह सिर्फ 17 साल की है और उसका भविष्य उज्ज्वल है। रिद्दि के साथ अनुभव काफी अच्छा रहा और हर बार निशाने लगाते हुए मैनें इच्छा जतायी की भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीते। विश्व कप का खिताब जीतना एक बड़ी उपलब्धि है और यह अनुभव एशियन खेलों में पदक जीतने में हमारी मदद करेगा।

रिद्दि ने कहा, यह पहली बार नहीं है जब मैं कोई फाइन खेल रही हूं, मैं अपना पहला विश्व कप खेल रही हूं। मैं यहां फाइनल खेलने के लिए उत्साहित थी और किसी सीनियर टूर्नामेंट में यह मेरा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

भारत जोड़ी की शुरूआत खराब रही । टीम ने दूसरे दौर में यूक्रेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत की और 6-2 से जीत दर्ज की।

भारत का यह प्रदर्शन चटरफाइनल में पोलैंड को 5-1 से हराकर और सेमीफाइनल में स्पेन को 5-3 से हराकर बरकरार रहा।

इससे पहले शनिवार को अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान की पुरुष कंपाउंड टीम ने रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 232-230 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

अभिषेक और मुस्कान किरार की मिकस्ड टीम क्रोएशिया से 156-157 से हारकर कांस्य पदक अपने नाम करने से चूक गयी थी।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव शीघ्र करवाने की घोषणा

जालंधर । पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजिंदर गुप्ता द्वारा अपने पद से त्यागपत्र देने के पश्चात पी सी ए अपैक्स कौंसिल की अध्यक्षता करते हुए राकेश राठौर ने पीसीए के चुनाव शीघ्र करवाने की घोषणा की।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश राठौर ने रविवार को कहा कि एक नई तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। जिसमे राकेश वालिया, कार्तिकेय मेहता व वरिन्द्र बिलिंग को शामिल किया गया है। यह कमेटी आगामी चुनाव होने तक पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के लिए काम करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई पी सी ए कमेटी द्वारा आगामी सत्र के दौरान सभी सदस्यों की प्रतिभा का सदुपयोग किया जाएगा। आपसी सौहार्द को कायम रखते हुए सभी जिला एसोसिएशन क्रिकेट उत्थान कार्यों में अपना सक्रिय सहयोग देंगी।

श्री राठौर ने कहा कि पंजाब में क्रिकेट की बेहतरी में अड़चन बन रहे विभिन्न अदालतों में चल रहे केसों को वापस लिया जाएगा । भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे । ताकि क्रिकेट के नाम पर की जा रही धोखाधड़ी पर अंकुश लगाया जा सके।

इस बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष रजिंदर गुप्ता द्वारा किए गए कार्यों की भी चर्चा की जो कार्य आधे अधूरे रह गए हैं उन्हें शीघ्र ही पूरा किया जाएगा । इस दौरान सर्वश्री इंद्रजीत सिंह बिंद्रा (पूर्व अध्यक्ष बीसीसीआई), महिंद्र महेंद्र प्रताप पांडव, डी पी रेडी, विश्वजीत खन्ना, मैहता, जी एस वालिया, रामप्रकाश सिंगला, दीपक शर्मा , पुनीत बाली व अन्य सदस्यों के द्वारा किए गए क्रिकेट उत्थान कार्यों की चर्चा करते हुए उन्हें विशेष सम्मान देने की अपील की।

राठौर ने कहा कि उनका उद्देश्य क्रिकेट उत्थान कार्यों में तेजी लाना और उदीयमान क्रिकेटरों के लिए समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। आगामी नवनिर्वाचित कमेटी सदस्य इस दिशा में सार्थक प्रयास करेंगे।

200 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी शाहरुख अभिनीत एटली की फिल्म

बॉलीवुड के बादशाह माने जाने शाहरुख खान की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। वह काफी समय से साउथ के दिग्गज निर्देशक एटली की फिल्म को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं। मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। इसके बावजूद फिल्म को लेकर कई तरह की खबरें आ चुकी हैं। अब सुनने में आ रहा है कि शाहरुख की यह फिल्म 200 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख अभिनीत एटली की अगली फिल्म 200 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनेगी। एक सूत्र ने बताया, शाहरुख एक ऐसे निर्माता हैं, जो अपनी सभी फिल्मों को सर्वश्रेष्ठ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। एटली की अगली फिल्म भी इससे अलग नहीं होगी। इस फिल्म के निर्माण की लागत 200 करोड़ रुपये है। बता दें कि फिल्म का निर्माण शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट कर रही है।

सूत्र ने बताया कि पठान के बाद एटली की यह फिल्म शाहरुख के करियर की दूसरी सबसे महंगी फिल्म है। खबरों की मानें तो पठान को 250 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है। खास बात यह है कि एटली की फिल्म के बजट में शाहरुख, नयनतारा और निर्देशक एटली की फीस को शामिल नहीं किया गया है। यदि कलाकारों की फीस जोड़ी जाएगी, तो फिल्म का बजट और बढ़ जाएगा। इसे एक बहुप्रतीक्षित फिल्म माना जा रहा है।

जल्द ही रणवीर और ऋतिक के साथ काम करना चाहती है ऐश्वर्या रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत 7 वर्ष के उपरांत निर्देशन की जिम्मेदारी संभालने के लिए निकल पड़ीं है। हाल ही में उन्हें कुछ हिंदी मूवी डायरेक्ट करने का ऑफर भी दिया गया था और उन्होंने बोला है कि उन्हें ऐसा करने में बहुत खुशी होने वाली है। ऐश्वर्या रजनीकांत ने यह भी बोला है कि वह ऋतिक रोशन और रणवीर सिंह जैसे सितारों के साथ काम करना चाह रही है। बता दें कि ऐश्वर्या रजनीकांत वर्क फ्रंट और अपनी निजी जिदंगी के चलते चर्चाओं में भी बनी हुई है ।

जब ऐश्वर्या रजनीकांत से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपनी किसी मूवी में मेगा स्टार रजनीकांत को कास्ट करने के बारे में सोचा है तो उन्हें कभी भी ऐसा विचार आज तक नहीं आया।

आज का राशिफल

मेष : मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। रोजगार क्षेत्र में हर संघर्ष पर विजय आने वाली बड़ी सफलता का आगाज कर रहा है। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

बृषभ : सगे-संबंधियों में कटुता जैनी स्थिति न बनने दें। परिवारीजनों से भावनात्मक ताल-मेल बिठाकर चलें। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों।

मिथुन : कुछ चिंताएं मन को परेशान करेंगी। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। आपकी सारी समस्याएं खुद-ब-खुद सुलझ जाएंगी, बस थोड़ा धैर्य पूर्वक वक्त का इंतजार करें।

कर्क : प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नौकरी का वातावरण अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का योग है। दूसरों की सफलता से हीन भावना न पालें। विरोधियों की प्रबलता संभव।

सिंह : नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। राजनीतिक सरगर्मियां ब्यस्तता बढ़ायेंगी। वर्तमान स्थिति देखते हुए मन में कुछ नकरात्मक विचार उत्पन्न होंगे। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकषर्ण बढ़ेगा।

कन्या : असीम प्रतिभाओ के बावजूद हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। अत: इसे सुधारें। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह मिलेगा।

तुला : आकांक्षाएं सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी।

वृश्चिक : कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा। नैतिक-अनैतिक के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा।

धनु : महत्वपूर्ण कार्यो में आलस्य न करें। मित्रों से लाभ प्राप्त होगा। दूसरों की बात इधर से उधर न करें, अन्यथा छबि पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन में चिंता उत्पन्न होगी।

मकर : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

कुंभ : पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। रोजगार में आकस्मिक सफलता मिलेगी।

मीन : किसी बड़ी यात्रा के प्रति उत्साहित होंगे। अपना तनाव दूसरों के समक्ष जाहिर न करें। अनावश्यक दूसरो की आलोचना न करें। रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे परन्तु आवेश में कोई निर्णय न लें।

महाराष्ट्र के मशहूर 'संतरे को पकौड़े'

पकौड़े तो आपने तरह-तरह के खाएं होंगे, पर क्या फल से बना पकौड़ा ट्राय किया है? तो आइए आज महाराष्ट्रियन फैमिली में बनाए जाने वाले संतरे के पकौड़ों की रेसिपी जानते हैं और ट्राय करते हैं।

सामग्री :

3-4 संतरे, 1.5 कप बेसन, 2 टीस्पून चावल का आटा, 1 टीस्पून कॉर्न फ्लोर, 2 बारीक कटी हरी मिर्च, थोड़ा सा बारीक कटा हरा धनिया, 1 टीस्पून कद्दूकस की हुई अदरक, थोड़ी-सी हींग, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून धनिया और जीरा पाउडर, 1 चुटकी मीठा सोडा, नमक स्वादानुसार, आवश्यकतानुसार तेल तलने के लिए

विधि :

- सबसे पहले संतरे के छिलके को छीलकर सारे बीज निकाल दें।
- फिर संतरे के स्लाइस को एक बोल में लें और उसमें बेसन, चावल का आटा, कॉर्न फ्लोर, एक चुटकी सोडा, हरी मिर्च, हरा धनिया, हींग, अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया, जीरा पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- फिर पकौड़ों को गर्म तेल में डालते जाएं। फ्राई होने के बाद इसे टिश्यू पेपर पर निकाल लें।
- गर्मागर्म स्वादिष्ट संतरे के पकौड़े को सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

टिप्स- पकौड़े बनाते समय अगर इसका मिश्रण ज्यादा गाढ़ा लगे तो इसमें थोडा-सा पानी मिला दें।

शब्द सामर्थ्य- 53

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				■
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

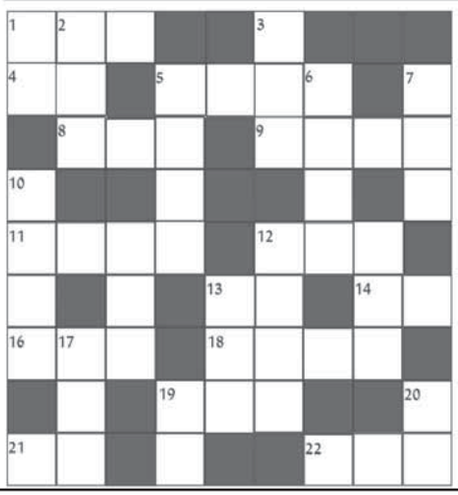

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 052 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू- 53

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.052 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7